



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 362]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 15, 1984/भाद्र 24, 1906

No. 362]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 15, 1984/BHADRA 24, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

MINISTRY OF FINANCE

(राजस्व विभाग)

(Department of Revenue)

अधिसूचनाएं

NOTIFICATIONS

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1984

New Delhi, the 15th September, 1984

सं. 234/84-सीमाशुल्क

No. 234/84-CUSTOMS

सा.का.नि. 660(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधि-
नियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा
प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि
लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधि-
नियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 70
के अंतर्गत आने वाले 45 मिलिमीटर, 60 मिलिमीटर और 80
मिलिमीटर व्यास की कांच के खोलों को, तब जब उनका भारत में
आयात विद्युत लैम्पों के विनिर्माण के लिए किया जाए, उक्त
पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय सीमाशुल्क के
उतने भाग से छूट देती है जितना मूल्य के दस प्रतिशत की दर पर
संगणित रकम से अधिक है।

2. यह अधिसूचना 30 अगस्त, 1985 तक, जिसके अंतर्गत
वह तारीख भी है, प्रवृत्त रहेगी।

G.S.R. 660(E).—In exercise of the powers con-
ferred by sub-section (1) of section 25 of the Cus-
toms Act, 1962 (52 of 1962), the Central Govern-
ment, being satisfied that it is necessary in the
public interest so to do, hereby exempts Glass
Shells of sizes 45mm, 60mm and 80mm diameter,
falling within Chapter 70 of the First Schedule to
the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when
imported into India for the manufacture of electric
lamps, from so much of that portion of the duty
of customs leviable thereon which is specified in the
said First Schedule, as is in excess of the amount
calculated at the rate of ten per cent ad valorem.

2. This notification shall be in force upto and
inclusive of the 30th August, 1985.

[फा. सं. 355/227/84-सी.शु.-1]

[F. No. 355/227/84-Cus-II]

सं. 235/84-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 681(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 70 के अंतर्गत आने वाले कांच के खोलों को, तब जब उनका भारत में आयात फ्लोरोसेन्ट ट्यूबों के विनिर्माण के लिए किया जाए, उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर पर उन पर उद्ग्रहणीय सीमाशुल्क के उतने भाग से छूट देती है जितना मूल्य के दस प्रतिशत की दर पर संगणित रकम से अधिक हो।

2. यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1984 तक, जिसके अंतर्गत वह तारीख भी है, प्रवृत्त रहेगी।

[फा. सं. 355/227/84-सी.शु.-1]

No. 235/84-CUSTOMS

G.S.R. 661(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts Glass Shells, falling within Chapter 70 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of fluorescent tubes, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of ten per cent ad valorem.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 30th September, 1984.

[F. No. 355/227/84-Cus-I.]

सं. 236/84-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 682(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 70 के अंतर्गत आने वाले सीसा कांच नलिकाओं को, जब उनका भारत में आयात विद्युत लैम्पों के संघटकों के विनिर्माण के लिए किया जाए, उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय सीमाशुल्क के उतने भाग से छूट देती है जितना मूल्य के पच्चीस प्रतिशत की दर पर संगणित रकम से अधिक है :

परन्तु यह तब जब आयातकर्ता ऐसे प्ररूप में और ऐसी राशि के लिए जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विहित की जाए, वन्धपत्र निष्पादित करके स्वयं को इस बात के लिए आबद्ध करता है कि वह प्रदत्त ऐसी सीसा कांच नलिकाओं की ऐसी मात्रा

की बाबत जिसकी बाबत सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधान-प्रद रूप में यह साबित नहीं कर दिया जाता है कि उसका प्रयोग पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए किया गया है, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का संचाय करेगा जो इस अधिसूचना में दी गई छूट के न दिए जाने की दशा में ऐसी मात्रा में उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात किए जाने के समय पहले ही संदत्त शुल्क के बीच अंतर के बराबर हो।

2. यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1984 तक, जिसके अंतर्गत वह तारीख भी है, प्रवृत्त रहेगी।

[फा. सं. 355/227/84-सी.शु.-1]

No. 236/84-CUSTOMS

G.S.R. 662(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts lead glass tubings, falling within Chapter 70 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of components of electric lamps and fluorescent tubes, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of twentyfive per cent ad valorem :

Provided that the importer, by execution of a bond in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs, binds himself to pay, on demand, in respect of such quantity of lead glass tubings in question as is not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used for the aforesaid purpose, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 30th September, 1984.

[F. No. 355/227/84-Cus-I.]

सं. 237/84-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 683(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1984 (1984 का 21) की धारा 36 की उपधारा (4) के साथ पठित, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग)

की अधिसूचना सं. 132/84-सीमाशुल्क, तारीख 11 मई, 1984, में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में क्रम सं. 14 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टियाँ अंतःस्थापित की जाएंगी अर्थात् :—

“15. सं. 234/84-सीमाशुल्क, तारीख 15 सितम्बर, 1984 ;

16. सं. 235/84-सीमाशुल्क, तारीख 15 सितम्बर, 1984 ;

17. सं. 236/84-सीमाशुल्क, तारीख 15 सितम्बर, 1984 ।”

[फा. सं. 355/227/84-सी.शु.-1]

No. 237/84-CUSTOMS

G.S.R. 663(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 36 of the Finance Act, 1984 (21 of 1984), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 132/84-Customs dated the 11th May, 1984, namely :—

In the said notification, after Serial No. 14 and the entry relating thereto, the following Serial Nos. and entries shall be inserted, namely :—

“15. No. 234/84-Customs, dated the 15th September, 1984.

16. No. 235/84-Customs, dated the 15th September, 1984.

17. No. 236/84-Customs, dated the 15th September, 1984.”

[F. No. 355/227/84-Cus-I]

सं. 238/84-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 664(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा

प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 157/82-सीमाशुल्क, तारीख 26 मई, 1982 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, पैरा 1 में, परन्तु के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह और कि इस अधिसूचना की किसी बात का भारत सरकार की तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना के अधीन संजूर की गई, इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट माल की बाबत, उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट सीमाशुल्क से छूट पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।”

[फा. सं. 355/227/84-सी.शु.-1]

एम. एन. बिस्वास, अवर सचिव

238/84-CUSTOMS

G.S.R. 664(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 157/82-Customs, dated the 26th May, 1982, namely :—

In the said notification, in paragraph 1, after the proviso, the following further proviso shall be inserted, namely :—

“Provided further that nothing contained in this notification shall affect the exemption granted under any other notification of the Government of India, for the time being in force, from the duty of customs specified in the said First Schedule in respect of the goods referred to in this notification.”

[F. No. 355/227/84-Cus-I]

M. N. BISWAS, Under Secy.

